LOK SABHA

Tuesday, April 11, 1978/Chaitra 21, 1900 (Saka).

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

जिला गोरखपुर में एक उपरि-पुल का निर्माण

*678. **श्री फिरंगी प्रसाद :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या लोगों को प्रति वर्ष जनवरी में योगिराज श्री गोरखनाथ जी के मन्दिर में बहुत दिनों तक लगने वाले बड़े मेले में जाने के लिए उत्तर प्रदेश में जिला गोरखपुर में पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्यालय की ओर से पश्चिम की ओर जाने के लिये लगभग ½ फर्लांग रेल लाइनों को पार करना पड़ता है और वहां पर कई दुर्घटनायें होती हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या इस स्थान पर उपरि-पुल का निर्माण करने के लिये हाल ही में एक सर्वेक्षण किया गया है जिस से लोग रेल लाइन के दूसरी ओर आजा सकें; और

(ग) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी पूरा ब्योरा क्या है और यह कार्य कब तक पूरा किया जायेगा ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

श्री फिरंगी प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि प्रश्न के (क) भाग में भी स्पष्ट है कि मेला लगता है कि नहीं ? दूसरी बात यह है कि रेल लाइन को क्रास करके जाना पड़ता है कोई दुर्घटना होती है कि नहीं। यह तीनों बातें पहले ही प्रश्न में हैं, और जैसा कि आप जानते हैं माननीय रेल राज्य मंत्री बस्ती के ही रहने वाले हैं, और यह बातें सही होने पर भी उत्तर में ना कर दिया गया है। इस पवित्र स्थान पर योगिराज गोरखनाथ का मन्दिर है और जितने भी राष्ट्रपति या राज्यपाल हुए हैं अधिकांश वहां गये हैं, लेकिन इस बात को स्वीकार नहीं किया है, इसका मुझे दुःख है। तो क्या मंत्री जी अब भी इस उत्तर में संशोधन कर के यह बतायेंगे कि इतनी बातें होती हैं कि नहीं—मेला 14 जनवरी से शुरू हो जाता है। तो क्या मंत्री जी स्पष्ट करेंगे कि अब भी यह बात सत्य है कि नहीं, तब मैं दूसरा प्रश्न आगे पूछूंगा।

श्री शिव नारायण : अध्यक्ष जी, मेला लगता है यह बात सही है हर जनवरी में और मेरे मित्र ने कहा कि वहां पांच साल में कोई एक्सीडेंट नहीं हुआ। वहां हमारा लेविल क्रासिंग है उस पर जाते हैं। डिमान्ड है ओवर ब्रिज की। उत्तर प्रदेश सरकार ने लागत का अपना हिस्सा देने की स्वीकृति नहीं दी है। हम अपना शेयर देने को तैयार हैं। 50 परसेंट उत्तर प्रदेश सरकार का शेयर है और 50 परसेंट हमारा शेयर है। इस पुल को बनवा देंगे, लेकिन अगर वह अपना हिस्सा नहीं देंगे तो मैं क्या कर सकता हूं। इस के अलावा प्रदेश सरकार ने अभी तक इस काम को करने के लिये पहुंच मार्गों के नक्शे और एस्टीमेट नहीं दिये हैं। ओवर

ब्रिज बनाने के बाद समाचर बन्द करने की अभी तक उन्होंने अनुमति नहीं दी है और न ही पहुंच मार्गों के लिये भूमि अध्यापित की है ।

श्री किरंगी प्रसाद: मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि इस क्रासिंग पर कितनी दुर्घटनायें हुई हैं ? मेरी जानकारी यह है कि अभी 14 जनवरी, 1978 को ही वहां पर एक ट्रक और राज्य सड़क परिवहन की बस में भिड़न्त हो गई जिसमें 6 आदमी घायल हो गए, और एक आदमी मर गया । बाद में दो लड़कों के जीवन खतरे में होने की सूचना मिली है । मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि वहां पर इतनी घटनाएं हो जाने के बाद क्या वह उत्तर प्रदेश की सरकार को इस के मानने या मनवाने के लिये पहल करेंगे ? क्या वह निश्चित रूप से बतायेंगे कि कितनी धनराशि लगेगी, क्योंकि 50 प्रतिशत से बात स्पष्ट नहीं होती ? कब तक इस पर पहल कर के निश्चित जानकारी करायेंगे ?

SHRI SHEO NARAIN: I require notice for the question. The information is not with me.

श्री हरिकेश बहादुर: माननीय मंत्री जी ने कहा कि इसके लिये उन को नोटिस चाहिये, यह ठीक बात है लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि गोरखपुर नार्थ ईस्टर्न रेलवे का हैडक्वार्टर है और वहां 25 हजार रेलवे के कर्मचारी काम करते हैं । पूरे गोरखपुर में अगर किसी जगह पर फलाई ओवर बनाने की जरूरत है तो वह केवल गोरखनाथ क्रासिंग पर है । माननीय मंत्री जी ने कहा कि 50 फीसदी धनराशि देने के लिये वह तैयार हैं, अगर इतना ही पैसा राज्य सरकार दे । मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार को इस बारे में लिखा है या यह काम वह हम लोगों पर छोड़ना चाहते हैं ? हम तो बराबर कहते रहते हैं, लेकिन सरकार की ओर से इस बारे में क्या कार्यवाही हुई है ?

श्री शिव नारायण: स्टेट गवर्नमेंट हमारे मातहत नहीं है, हम उस को डायरेक्टिव नहीं दे सकते हैं, हम अपना शेयर दे सकते हैं । मैं माननीय सदस्य को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि कल अपने रेल मंत्री जी से कह कर चीफ मिनिस्टर को इस बारे में चिट्ठी लिखा देंगे ।

कीर्ति एक्सप्रेस, सोमनाथ मेल तथा सौराष्ट्र मेल में डीजल इंजन लगाने की व्यवस्था

*680. **श्री धर्मसिंह भाई पटेल :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कीर्ति एक्सप्रेस (पोरबन्दर-मेहसाना) सोमनाथ मेल (बोगावल-अहमदाबाद) और सौराष्ट्र मेल (बोगावल-वीरमगांव) गाड़ियों में डीजल इंजन नहीं लगाये जाते हैं और यदि हां, तो इसका क्या कारण है;

(ख) इन तीनों रेलगाड़ियों में कब तक डीजल इंजन लगाये जायेंगे और सौराष्ट्र के लोगों की मांग कब तक पूरी की जायगी; और

(ग) क्या उक्त तीनों गाड़ियों की गति बढ़ाने का भी कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो किस प्रकार का और गति कब और किस प्रकार बढ़ाई जायेगी तथा इन की वर्तमान गति क्या है ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) और (ख) जी हां, क्योंकि डीजल रेल इंजन सीमित संख्या में उपलब्ध हैं और साथ ही रेल पथ की हालत को ध्यान में रखते हुए रफ्तार पर प्रतिबन्ध लगाये गये हैं । इन प्रतिबन्धों के फलस्वरूप गाड़ियों की रफ्तार कम हो जाती है ।

(ग) रेलपथ और कर्षण की वर्तमान हालातों को देखते हुए गाड़ियों के चालान-